भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह - 2025

में सम्बोधन

नई दिल्ली : 14 दिसम्बर, 2025

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 के इस समारोह में भाग लेकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई देती हूँ। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और नवीन तकनीकों के माध्यम से प्रभावी प्रयास किए हैं। आज पुरस्कृत बच्चों को मैं बधाई देती हूँ। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के विषय पर अपनी कल्पना और संवेदनशीलता को सुंदर चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति से उनकी सोच और दृष्टिकोण के साथ-साथ उनकी आशाओं और सपनों का भी पता चलता है। ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे भविष्य में गहन एवं सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे। अगर देश के बच्चे और युवा ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक हो जाएँ और इसके लिए प्रयत्न करें तो इस क्षेत्र में लक्ष्यों की प्राप्ति तथा देश का स्थायी विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। विकास की इस यात्रा में, सभी नागरिकों तक बिजली की पहुँच, शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और जीवन स्तर में सुधार के कारण ऊर्जा की आवश्यकता भी तेजी से बढ़ी है।

ऊर्जा की बचत, ऊर्जा का सबसे पर्यावरण-अनुकूल और विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा-संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऊर्जा की बचत का अर्थ केवल कम उपयोग करना नहीं, बल्कि समझदारी से, जिम्मेदारी से और दक्षता के साथ ऊर्जा का लाभ उठाना है। जब हम विद्युत उपकरणों का अनावश्यक उपयोग नहीं करते हैं, energy-efficient उपकरण अपनाते हैं, घरों और कार्यस्थलों में natural light एवं ventilation का उपयोग करते हैं, या solar एवं renewable energy के विकल्पों को अपनाते हैं – तब हम न केवल ऊर्जा बचाते हैं, बल्कि carbon emissions को भी कम करते हैं। स्वच्छ वायु और सुरक्षित जल स्रोतों को बनाए रखने तथा balanced ecosystem के लिए भी ऊर्जा की बचत महत्वपूर्ण है। ऊर्जा की हर unit जो हम बचाएंगे, वह प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक होगा।

देवियो और सज्जनो,

भारत सरकार ने ऊर्जा संरक्षण और clean energy transition के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत ने clean energy की प्रतिबद्धताएँ समय सीमा से पहले ही पूरे कर ली हैं। यह हमारी ऊर्जा दक्षता और decarbonisation की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है, जिसके तहत घरों में rooftop solar systems लगाए जा रहे हैं। इससे उन घरों को मुफ्त बिजली मिलेगी और fossil fuel पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा, Renewable Consumption Obligation और Production Linked Incentive योजनाओं के माध्यम से renewable energy adoption और energy efficiency को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस वर्ष

अक्टूबर में मैंने International Solar Alliance Assembly को संबोधित किया था। उस महत्वपूर्ण मंच पर मैंने रेखांकित किया था कि सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच, समुदायों को सशक्त बनाती है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और आगे बढ़ने के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होते हैं। मैंने यह भी कहा था और आज मैं दोहराती हूँ कि Green energy केवल विद्युत उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सशक्तिकरण और समावेशी विकास का प्रभावी माध्यम है।

देवियो और सज्जनो,
भारत Green Hydrogen technology को clean energy transition का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। 'National Green Hydrogen Mission' के माध्यम से इस क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस मिशन के अंतर्गत renewable energy से Green Hydrogen उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा रही है तथा देश को global hub बनाने और fossil fuel पर निर्भरता कम करने पर ज़ोर दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, भारत ने अपने Nationally Determined Contributions (NDCs) को update किया है, जिससे हमारा योगदान global climate action में मजबूत हुआ है और विश्व में sustainable development और netzero goals की दिशा में भारत की प्रमुख भूमिका स्पष्ट हुई है।

मुझे बताया गया है कि वर्ष 2023-24 में भारत के energy efficiency की दिशा में किए गए प्रयासों से 53.60 Million Tonnes of Oil Equivalent ऊर्जा की बचत हुई है। इन प्रयासों से प्रतिवर्ष आर्थिक बचत हो रही है और

CO_2 emissions में भी बहुत कमी आई है। मैं इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल जी और उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूँ।

भारत सरकार ने cleaner fuels के लिए ethanol blending बढ़ाने पर भी जोर दिया है। भारत Global Biofuels Alliance जैसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी कर रहा है, ताकि waste को value में बदला जा सके और भारत के अनुभव दुनिया के साथ साझा किए जा सकें। भारत एक सुव्यवस्थित Carbon Credit Trading Scheme को भी बढ़ावा दे रहा है, जिसके द्वारा सरकारी और निजी संस्थाओं को अर्थव्यवस्था के decarbonisation को तेज करने और emissions कम करने के लिए उत्कृष्ट प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि ये सभी कदम ऊर्जा और पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रभावी सिद्ध होंगे।

देवियो और सज्जनो,

भारत के Energy Transition की सफलता के लिए प्रत्येक क्षेत्र और नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सभी क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता लाने के लिए behavioural change सबसे महत्वपूर्ण है। ये प्रसन्नता की बात है कि सरकार द्वारा behavioural change के लिए भी अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। प्रकृति के साथ संतुलित जीवन-शैली अपनाने की चेतना भारत की सांस्कृतिक परंपरा का मूल है – यही भाव विश्व को दिए गए हमारे संदेश "Lifestyle for Environment - LiFE" का आधार है।

मैं ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी लोगों तथा विशेष रूप से बच्चों को बधाई देती हूँ। आपका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सामूहिक दायित्व, साझेदारी और जन-भागीदारी की इस भावना के साथ,

भारत ऊर्जा संरक्षण की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा तथा एक हरित और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त करेगा।

आइए, हम संकल्प लें कि ऊर्जा-संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ, ताकि हमारी धरती सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध बनी रहे और आने वाली पीढ़ियाँ प्रकृति के अनमोल संसाधनों का आनंद ले सकें।

धन्यवाद!

जय हिन्द!